

DAILY CURRENT AFFAIRS

 Result Mitra

17 APRIL 2025

THE  HINDU

 *The Indian* **EXPRESS**

 **Hindustan Times**

**UPSC(IAS/PCS) AND ALL
COMPITETIVE EXAM**

 **दैनिक जागरण**

 **जनसत्ता**



ABHAY SIR



Events in News



- विश्व हीमोफिलिया दिवस
- "हार्वर्ड बनाम ट्रम्प प्रशासन"
- सुप्रीम कोर्ट द्वारा बाल तस्करी
- काउंटर साइक्लिकल कैपिटल बफर
- बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE)

WORLD
Hemophilia
DAY | APRIL 17

विश्व हीमोफिलिया दिवस

निम्नलिखित दिवसों का उनके उद्देश्यों से सही मिलान कीजिए:

दिवस	उद्देश्य
A. 17 अप्रैल	i. विश्व स्वास्थ्य दिवस
B. 4 फरवरी	ii. हीमोफिलिया के प्रति जागरूकता
C. 7 अप्रैल	iii. विश्व कैंसर दिवस

सही मिलान चुनें:

(a) A-ii, B-iii, C-i

(c) A-iii, B-i, C-ii

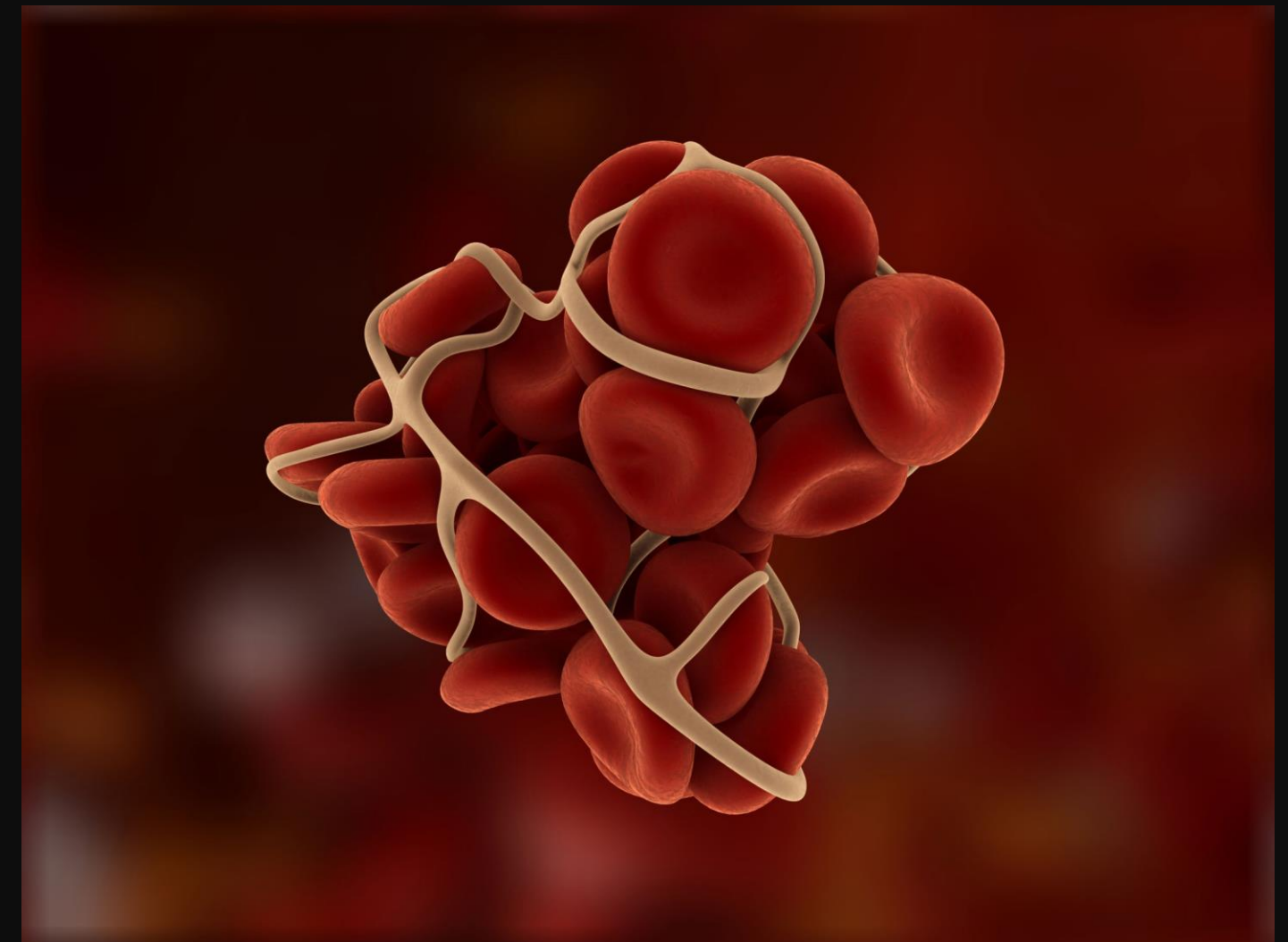
(b) A-i, B-ii, C-iii

(d) A-ii, B-i, C-iii





- कब मनाया जाता है:- 17 अप्रैल
- 1. उद्देश्य:
- वैश्विक स्तर पर हीमोफिलिया और अन्य रक्तस्राव विकारों (जैसे वॉन विलेब्रांड डिजीज़) के बारे में जागरूकता फैलाना।
- इन रोगों से पीड़ित लोगों को सही समय पर इलाज, सहायता और संसाधन उपलब्ध कराना।
- सरकारों और स्वास्थ्य संगठनों को इन विकारों पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करना।

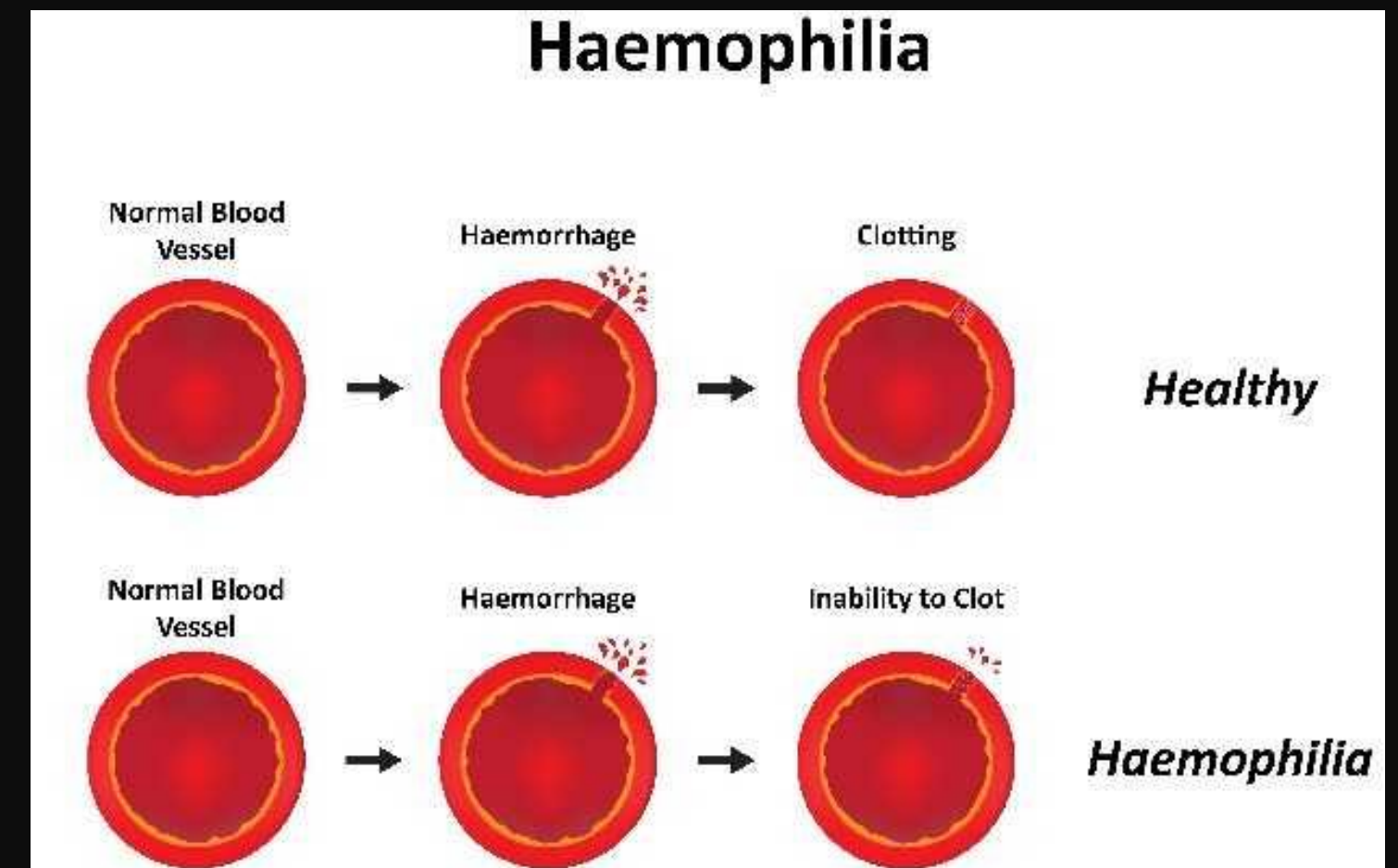




- **2. आयोजन संस्था:**
- यह दिवस World Federation of Hemophilia (WFH) द्वारा आयोजित किया जाता है।
- WFH की स्थापना 1963 में हुई थी।
- इसका मुख्यालय मॉन्ट्रियल, कनाडा में स्थित है।



- **3. हीमोफिलिया: परिभाषा व कारण**
- यह एक X-गुणसूत्र से जुड़ा आनुवंशिक विकार है, जो सामान्यतः पुरुषों में होता है और माताएं वाहक होती हैं।
- इसमें रक्त का थक्का (clot) बनने के लिए आवश्यक क्लॉटिंग फैक्टर (Factor VIII - हीमोफिलिया A, Factor IX - हीमोफिलिया B) की कमी होती है।
- इससे चोट लगने पर लंबे समय तक रक्तस्राव होता है, जिससे आंतरिक रक्तस्राव, जोड़ दर्द और अंग क्षति हो सकती है।



- **4. लक्षण:**
- बार-बार खून बहना (चोट लगने के बाद या बिना किसी स्पष्ट कारण के)
- जोड़ों में सूजन व दर्द
- नाक से खून आना
- मूत्र या मल में रक्त आना
- लंबे समय तक खून का बहना (सर्जरी या दाँत निकालने के बाद)



- **5. उपचार:**
- रक्त क्लॉटिंग फैक्टर का इंजेक्शन देना (रेगुलर प्रोफाइलेक्सिस)
- जेनेटिक काउंसलिंग
- गंभीर मामलों में जीन थेरेपी पर भी अनुसंधान चल रहा है।



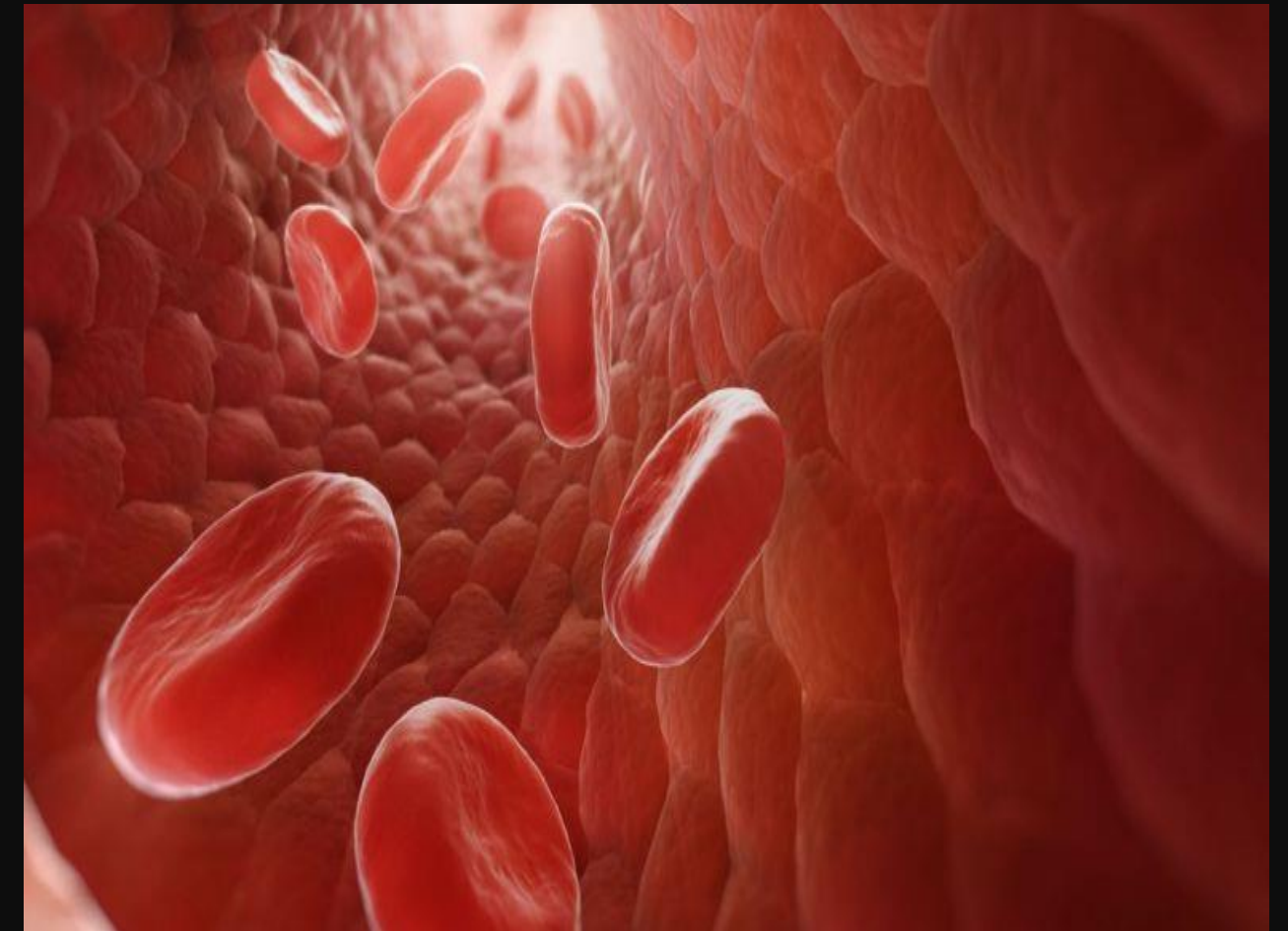


- **6. भारत में स्थिति:**
- भारत में अनुमानतः 1.3 लाख से अधिक हीमोफिलिया रोगी हैं, परंतु केवल 20,000 से 25,000 मरीजों का ही पंजीकरण है।
- हीमोफिलिया फेडरेशन ऑफ इंडिया (HFI) इस दिशा में कार्यरत है।
- कई राज्यों में सरकारी अस्पतालों में क्लॉटिंग फैक्टर की आपूर्ति सीमित है।





- **7. सरकार की पहल:**
- कुछ राज्यों में हीमोफिलिया के इलाज के लिए विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं (जैसे राजस्थान, दिल्ली, तमिलनाडु आदि में मुफ्त क्लॉटिंग फैक्टर उपलब्ध कराना)।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भी कुछ प्रयास किए गए हैं, लेकिन इन्हें और सशक्त करने की आवश्यकता है।



निम्नलिखित दिवसों का उनके उद्देश्यों से सही मिलान कीजिए:

दिवस	उद्देश्य
A. 17 अप्रैल	i. विश्व स्वास्थ्य दिवस
B. 4 फरवरी	ii. हीमोफिलिया के प्रति जागरूकता
C. 7 अप्रैल	iii. विश्व कैंसर दिवस

सही मिलान चुनें:

(a) A-ii, B-iii, C-i

(c) A-iii, B-i, C-ii

(b) A-i, B-ii, C-iii

(d) A-ii, B-i, C-iii





 Reciprocal Tariffs		
Country	Tariffs Charged to the U.S.A. Including Currency Manipulation and Trade Barriers	U.S.A. Dispute Reciprocal Tariffs
China	67%	34%
European Union	39%	20%
Vietnam	90%	46%
Taiwan	64%	32%
Japan	46%	24%
India	52%	26%
South Korea	50%	25%
Thailand	72%	36%
Switzerland	61%	31%
Indonesia	64%	32%
Malaysia	47%	24%
Cambodia	65%	33%
United Kingdom	10%	10%
	74%	37%

"हार्वर्ड बनाम ट्रम्प प्रशासन"

"हार्वर्ड बनाम ट्रम्प प्रशासन"



Daily Current News

प्रश्न 1: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. हार्वर्ड विश्वविद्यालय अमेरिका का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है।
2. हार्वर्ड विश्वविद्यालय संयुक्त राष्ट्र (UN) का एक विशेषीकृत एजेंसी है।
3. हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ चुके लोगों में कई नोबेल पुरस्कार विजेता और अमेरिकी राष्ट्रपति शामिल हैं।

उपयुक्त कथन/कथनों का चयन करें:

- A) केवल 1 और 2
- B) केवल 2 और 3
- C) केवल 1 और 3
- D) 1, 2 और 3



"हार्वर्ड बनाम ट्रम्प प्रशासन"



Daily Current News

- **भूमिका:**
- संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के बीच टकराव ने एक बड़ा प्रश्न खड़ा किया है
- **क्या सरकार शैक्षणिक संस्थानों की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप कर सकती है?**
- यह मुद्दा शिक्षा नीति, विचारों की स्वतंत्रता, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और राजनीतिक प्रभाव जैसे कई पहलुओं को छूता है।



"हार्वर्ड बनाम ट्रम्प प्रशासन"



Daily Current News

- **मामले की पृष्ठभूमि:**
- ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड सहित अन्य विश्वविद्यालयों पर आरोप लगाए कि वे यहूदी विरोधी भावना और फिलिस्तीनी आतंकवाद को समर्थन देने वाली गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं।
- व्हाइट हाउस ने संघीय अनुदान रोकने, टैक्स छूट खत्म करने और निगरानी बढ़ाने की धमकी दी है।
- ट्रम्प का कहना है कि विश्वविद्यालय "राजनीतिक इकाइयाँ" बन चुके हैं और इन्हें "दृष्टिकोण विविधता" अपनानी चाहिए।

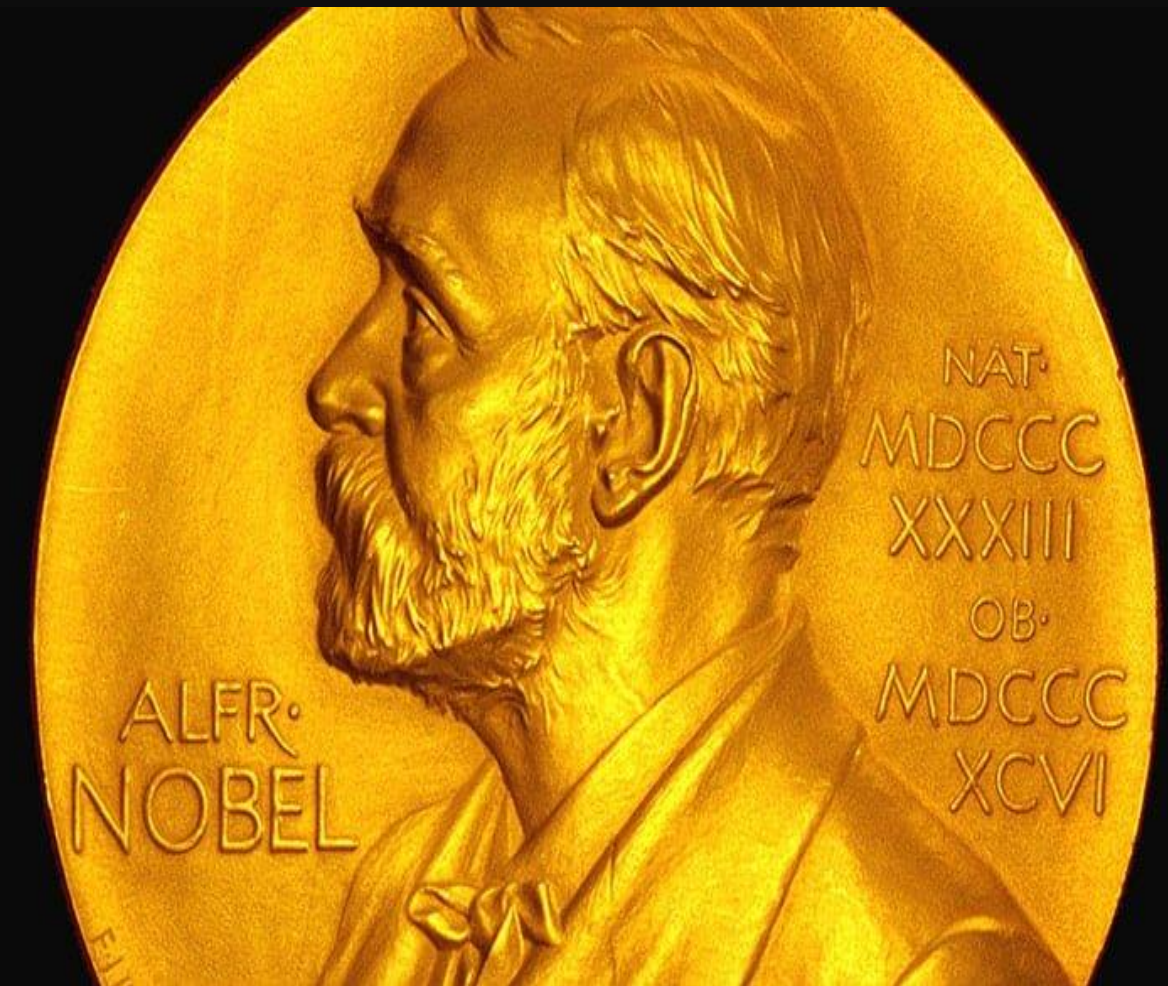


"हार्वर्ड बनाम ट्रम्प प्रशासन"



Daily Current News

- **हार्वर्ड विश्वविद्यालय का पक्ष:**
- **स्वतंत्रता की रक्षा:** हार्वर्ड के अध्यक्ष एलन गार्बर ने कहा कि विश्वविद्यालय किसी भी कीमत पर अपनी अकादमिक स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों से समझौता नहीं करेगा।
- **इतिहास और योगदान:** हार्वर्ड ने अब तक 160+ नोबेल पुरस्कार विजेता और 8 अमेरिकी राष्ट्रपति दिए हैं। इसका शिक्षा और शोध में वैश्विक योगदान सराहनीय रहा है।
- **अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता:** छात्रों और संकाय को विचारों की अभिव्यक्ति का अधिकार होना चाहिए, भले ही वे सरकार के खिलाफ हों।



"हार्वर्ड बनाम ट्रम्प प्रशासन"



Daily Current News

- **व्हाइट हाउस का तर्क:**
- ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि कई विश्वविद्यालय यहूदी विरोधी गतिविधियों का अड्डा बन गए हैं।
- इसलिए, निगरानी जरूरी है, ताकि "कट्टर विचारधारा" को रोका जा सके।
- कोलंबिया विश्वविद्यालय जैसे संस्थान संघीय दबाव के बाद निगरानी मान चुके हैं।



"हार्वर्ड बनाम ट्रम्प प्रशासन"



Daily Current News

- **प्रभाव और प्रतिक्रियाएँ:**
- **आंतरिक प्रभाव:** हार्वर्ड में अनुसंधान परियोजनाओं में कटौती हुई, जैसे तपेदिक पर शोध रोकना पड़ा।
- **छात्रों की प्रतिक्रिया:** छात्र स्वतंत्रता की रक्षा को लेकर हार्वर्ड के रुख के समर्थन में हैं।
- **पूर्व राष्ट्रपति ओबामा:** उन्होंने हार्वर्ड के साहस को "अकादमिक स्वतंत्रता की रक्षा का प्रतीक" बताया।
- **राष्ट्रीय बहस:** अमेरिका में यह बहस तेज हो गई है कि क्या विश्वविद्यालयों को सत्ता की विचारधारा के अनुसार झुक जाना चाहिए।



"हार्वर्ड बनाम ट्रम्प प्रशासन"



Daily Current News

- हार्वर्ड विश्वविद्यालय (Harvard University) – UPSC हेतु महत्वपूर्ण बिंदु
- स्थापना:
- वर्ष 1636 में स्थापित
- अमेरिका का सबसे पुराना विश्वविद्यालय
- स्थित: कैम्ब्रिज, मैसाचुसेट्स, संयुक्त राज्य अमेरिका



"हार्वर्ड बनाम ट्रम्प प्रशासन"



Daily Current News

- विशेषताएँ:
- विश्व के शीर्ष रैंकिंग विश्वविद्यालयों में शामिल
- लगभग 160 से अधिक नोबेल पुरस्कार विजेता
- 8 अमेरिकी राष्ट्रपति हार्वर्ड से पढ़े हैं (जैसे – जॉन एफ. कैनेडी, बराक ओबामा)
- फेसबुक के सह-संस्थापक मार्क जुकरबर्ग यहीं के छात्र रहे



"हार्वर्ड बनाम ट्रम्प प्रशासन"



Daily Current News

- **प्रसिद्ध संकाय (Faculties):**
- हार्वर्ड बिजनेस स्कूल
- हार्वर्ड लॉ स्कूल
- हार्वर्ड मेडिकल स्कूल
- हार्वर्ड केनेडी स्कूल (लोक नीति व प्रशासन)



"हार्वर्ड बनाम ट्रम्प प्रशासन"



Daily Current News

प्रश्न 1: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. हार्वर्ड विश्वविद्यालय अमेरिका का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है।
2. हार्वर्ड विश्वविद्यालय संयुक्त राष्ट्र (UN) का एक विशेषीकृत एजेंसी है।
3. हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ चुके लोगों में कई नोबेल पुरस्कार विजेता और अमेरिकी राष्ट्रपति शामिल हैं।

उपयुक्त कथन/कथनों का चयन करें:

- A) केवल 1 और 2
- B) केवल 2 और 3
- C) केवल 1 और 3
- D) 1, 2 और 3



"हार्वर्ड बनाम ट्रम्प प्रशासन"



Daily Current News



उत्तर: C) केवल 1 और 3

व्याख्या:

कथन 1: सत्य हार्वर्ड 1636 में स्थापित हुआ, यह अमेरिका का सबसे पुराना उच्च शिक्षा संस्थान है।

कथन 2: असत्य हार्वर्ड UN की कोई एजेंसी नहीं है, यह एक स्वतंत्र निजी विश्वविद्यालय है।

कथन 3: सत्य हार्वर्ड से 160+ नोबेल विजेता और 8 अमेरिकी राष्ट्रपति निकले हैं।





सुप्रीम कोर्ट द्वारा बाल तस्करी



प्रश्न 1: कथन:

1. बाल श्रम (प्रतिषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नियोजन पर पूर्ण प्रतिबंध है।
2. 14-18 वर्ष के किशोरों को खतरनाक कार्यों में नियोजित किया जा सकता है।



सुप्रीम कोर्ट द्वारा बाल तस्करी



Daily Current News

- सुप्रीम कोर्ट ने पंकी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले की सुनवाई के दौरान बाल तस्करी से संबंधित मामलों को लेकर गंभीर चिंता जताई और प्रभावी समाधान हेतु दिशा-निर्देश जारी किए।
- अदालत ने कहा कि इन मामलों में न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और दोषियों को सजा दिलाने में सुधार हो।



सुप्रीम कोर्ट द्वारा बाल तस्करी



Daily Current News

- **प्रमुख न्यायिक निर्देश:**
- **1. मामलों का शीघ्र निपटारा:**
- सभी उच्च न्यायालयों को निर्देश दिया गया है कि बाल तस्करी से जुड़े मामलों का निपटारा छह महीने के भीतर किया जाए।
- **2. मामलों की निगरानी:**
- हर छह महीने पर इस संबंध में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।



सुप्रीम कोर्ट द्वारा बाल तस्करी



Daily Current News

- **3. दोषसिद्धि दर पर चिंता:**
- सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर चिंता जताई कि बाल तस्करी से जुड़े मामलों में दोषियों को सज़ा मिलने की दर काफी कम है।
- **इसके कारण हैं:**
- तस्करी को आसानी से जमानत मिल जाना
- गवाहों का मुकर जाना
- लंबी अदालती प्रक्रिया में देरी



सुप्रीम कोर्ट द्वारा बाल तस्करी



Daily Current News

- बाल तस्करी रोकने के लिए अन्य दिशा-निर्देश:
- 1. रिपोर्टिंग और प्राथमिक जांच
- लापता बच्चों के सभी मामलों को अपहरण या तस्करी का मामला मानते हुए त्वरित जांच शुरू की जाए जब तक कि कोई अन्य कारण साबित न हो।
- पुलिस और एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (AHTU) द्वारा सभी मामलों की अनिवार्य रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाए।



- **2. संस्थागत सुधार**
- हर राज्य की राजधानी में राज्य स्तरीय एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग ब्यूरो की स्थापना हो।
- प्रत्येक जिले में बाल कल्याण समिति (CWC) अनिवार्य रूप से कार्यरत हो; जहां पहले से हैं, वहां सुधार किया जाए।
- खतरनाक उद्योगों की नियमित जांच हो और नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाए।
- पीड़ित बच्चों के लिए विशेष बाल-मित्र न्यायालय (child-friendly courts) की स्थापना हो।



- **3. सहायता और पुनर्वास**
- पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए समर्थन प्रणाली को बेहतर बनाया जाए।
- कम्युनिटी पुलिसिंग को प्रोत्साहित किया जाए ताकि स्थानीय स्तर पर तस्करी की पहचान हो सके।
- बचाव, पुनर्वास और जन-जागरूकता अभियानों में गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) की भागीदारी को बढ़ावा दिया जाए।

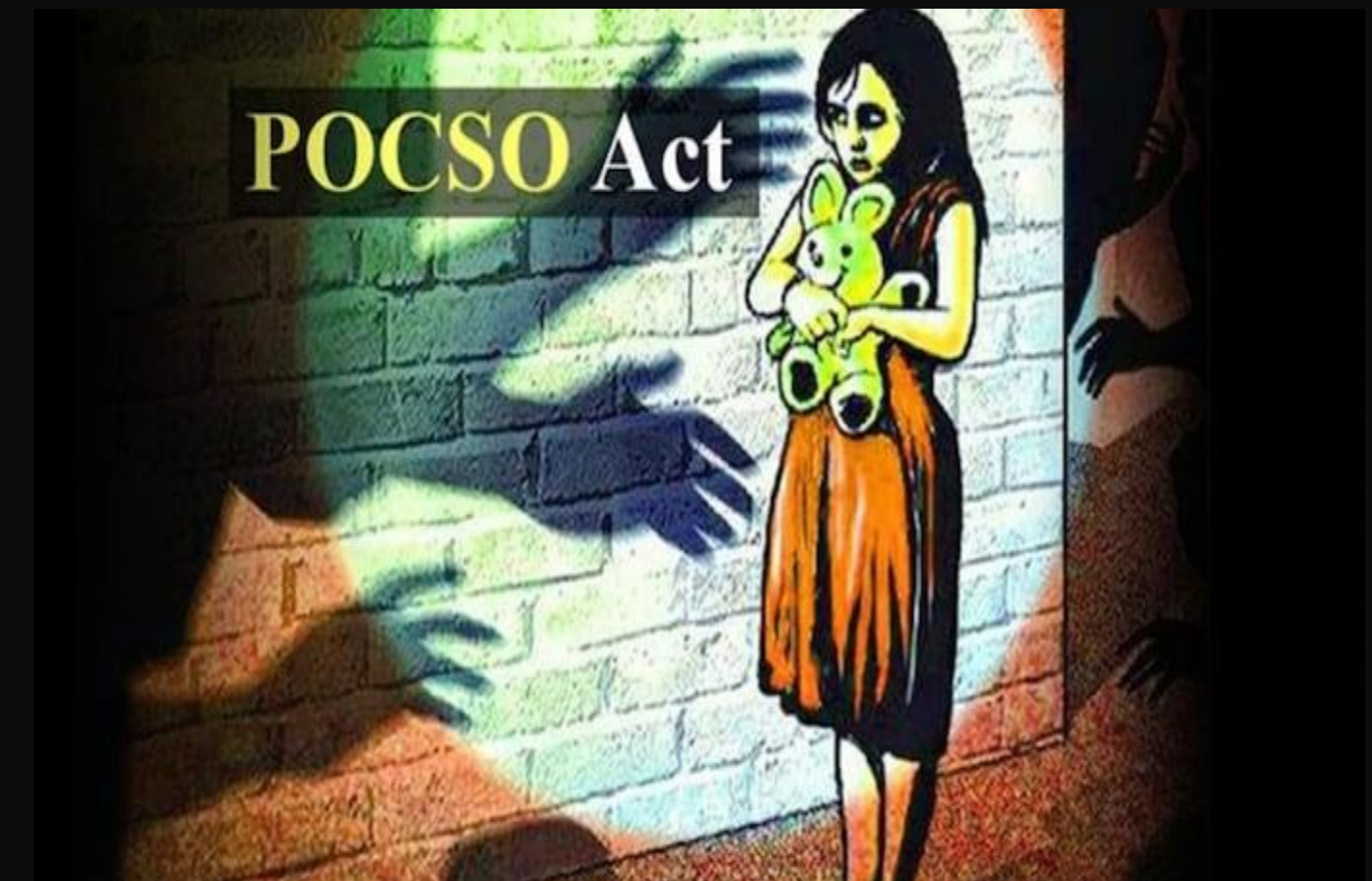


सुप्रीम कोर्ट द्वारा बाल तस्करी



Daily Current News

- बाल तस्करी रोकने हेतु वर्तमान कानूनी एवं सरकारी उपाय:
- **1. किशोर न्याय अधिनियम, 2015:**
- यह अधिनियम बच्चों की देखरेख, संरक्षण और पुनर्वास सुनिश्चित करता है, विशेषकर तस्करी या उत्पीड़न के शिकार बच्चों के लिए।
- **2. POCSO अधिनियम, 2012:**
- यह अधिनियम बाल यौन शोषण से सुरक्षा के लिए बाल-अनुकूल न्यायिक प्रक्रिया का प्रावधान करता है।



सुप्रीम कोर्ट द्वारा बाल तस्करी



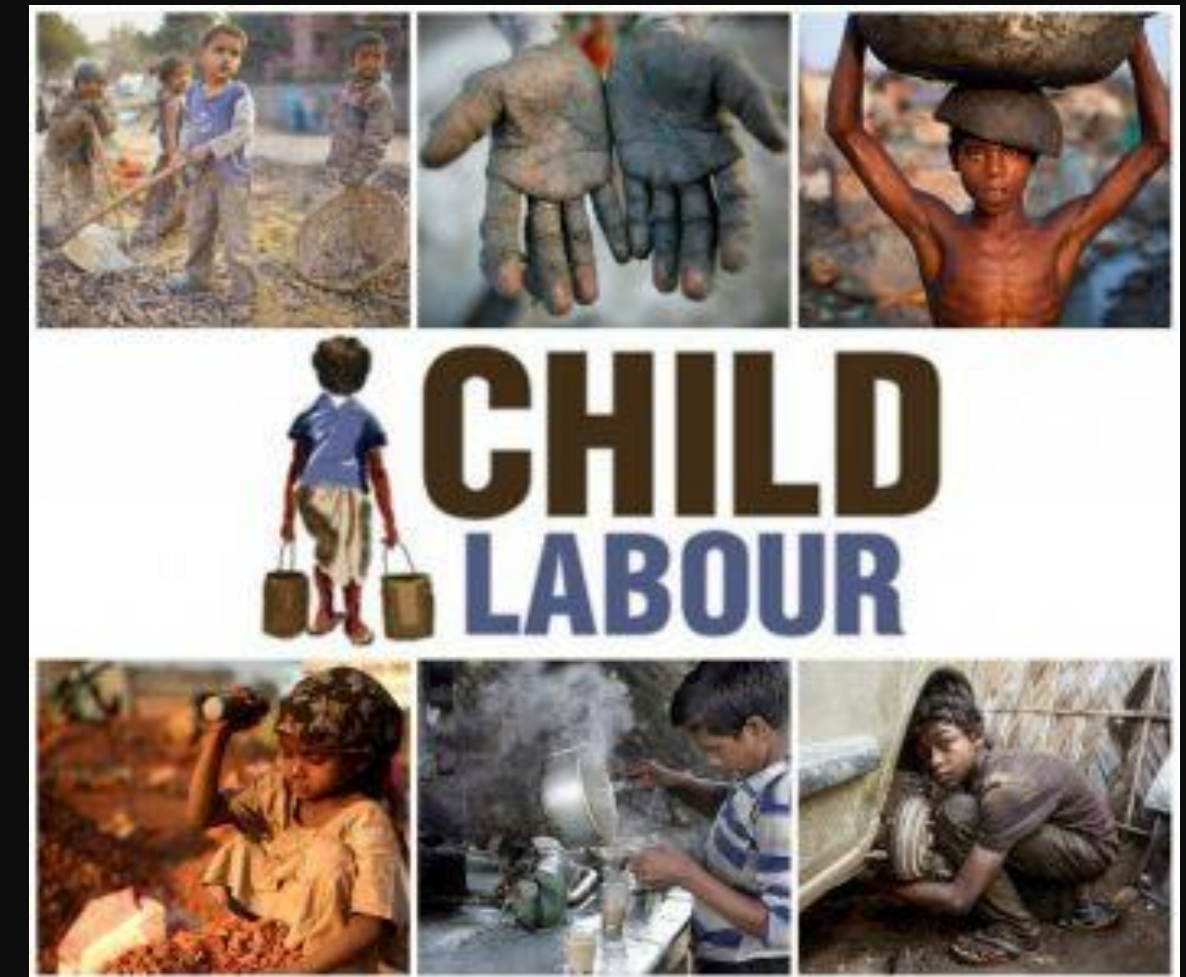
Daily Current News

- **3. बाल श्रम (प्रतिषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986:**
- 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के किसी भी प्रकार के नियोजन पर पूर्ण प्रतिबंध है।
- 14-18 वर्ष की आयु के किशोरों को खतरनाक कार्यों में नियोजित करना वर्जित है।
- **4. राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना (NCLP):**
- यह योजना बाल श्रमिकों के पुनर्वास हेतु कार्य करती है और उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करती है।





- **5. PENCIL पोर्टल:**
- यह एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो CALPR अधिनियम और NCLP योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करता है। इसमें शिकायत पंजीकरण, निगरानी, और जिला स्तरीय कार्यान्वयन की सुविधा होती है।





प्रश्न 1: कथन:

1. बाल श्रम (प्रतिषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नियोजन पर पूर्ण प्रतिबंध है।
2. 14-18 वर्ष के किशोरों को खतरनाक कार्यों में नियोजित किया जा सकता है।





उत्तर:

(B) कथन 1 सही है, लेकिन कथन 2 गलत है।

व्याख्या:

अधिनियम 14 वर्ष से कम बच्चों के कार्य पर पूर्ण प्रतिबंध लगाता है।

14-18 वर्ष के किशोरों को खतरनाक कार्यों में नियोजन की अनुमति नहीं है। इसलिए कथन 2 गलत है।



Reserve Bank of India



काउंटर साइकिलिकल कैपिटल बफर



- **हाल की स्थिति:**
- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने अप्रैल 2025 में यह निर्णय लिया कि भारत में CCyB को अभी सक्रिय नहीं किया जाएगा।
- इस निर्णय का उद्देश्य यह है कि बैंकिंग क्षेत्र से विभिन्न क्षेत्रों को ऋण (क्रेडिट) की निरंतर आपूर्ति बनी रहे, ताकि आर्थिक विकास में किसी प्रकार की रुकावट न आए और GDP वृद्धि को स्थिरता मिलती रहे।





- **CCyB क्या है?**
- काउंटर साइक्लिकल कैपिटल बफर एक नियामकीय व्यवस्था है जिसके अंतर्गत बैंकों को अच्छे आर्थिक समय में अतिरिक्त पूंजी भंडार रखने के लिए कहा जाता है, जिसे मंदी या संकट के समय प्रयोग में लाया जा सके।
- यह एक बफर पूंजी होती है जिसे सामान्य न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं के अतिरिक्त रखा जाता है।





- **आरंभ और प्रावधान:**
- CCyB को भारत में बेसल III मानदंडों के अंतर्गत 2015 में लागू करने की रूपरेखा बनाई गई थी।
- हालांकि, RBI ने इसे आज तक कभी औपचारिक रूप से सक्रिय नहीं किया है।





CCyB (Counter-Cyclical Capital Buffer) का प्रभाव

पहलू	प्रभाव
बैंकों पर प्रभाव	आर्थिक उछाल के समय बैंकों को अतिरिक्त पूंजी आरक्षित रखनी होती है, जिससे जोखिम कम होता है।
उधारकर्ताओं पर प्रभाव	मंदी के समय बैंकों के पास पहले से पूंजी होने के कारण क्रेडिट की उपलब्धता स्थिर रहती है।
अर्थव्यवस्था पर प्रभाव	यह व्यवस्था चक्रवातीय उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने में मदद करती है और GDP में स्थिरता लाता है।



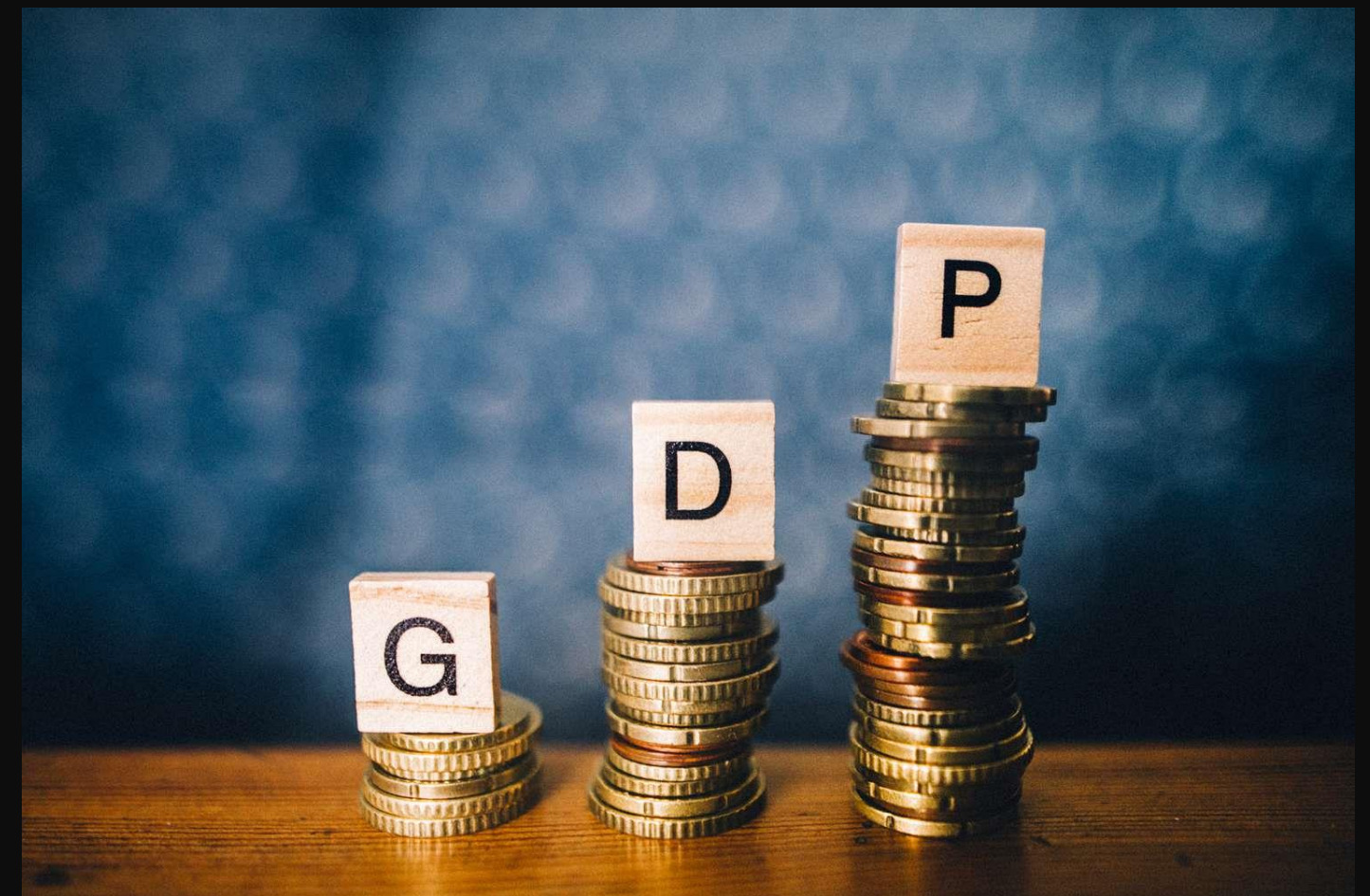


- **उद्देश्य (Objectives):**
- **1. अत्यधिक ऋण विस्तार को नियंत्रित करना** — आर्थिक उछाल के समय जब बैंकों द्वारा बहुत अधिक कर्ज दिया जा रहा होता है, CCyB उस प्रवृत्ति को संतुलित करता है।
- **2. मंदी के समय बैंकों की क्षमता को मजबूत करना** — मंदी के दौर में बैंकों को पूर्व में संचित अतिरिक्त पूंजी के माध्यम से ऋण देना संभव होता है, जिससे आर्थिक गतिविधियाँ जारी रह सकें।
- **3. वित्तीय प्रणाली की स्थिरता बनाए रखना** — यह प्रणाली बैंकिंग सेक्टर को चक्रवातीय आर्थिक झटकों (Boom & Bust Cycles) से बचाने में मदद करती है।





- कैसे तय होता है कि CCyB कब लागू होगा?
- RBI द्वारा निर्धारित Monitoring Framework के अंतर्गत कुछ प्रमुख संकेतकों के आधार पर CCyB को सक्रिय किया जा सकता है:
- मुख्य संकेतक:
- ऋण से GDP का अनुपात (Credit-to-GDP Gap):
- यदि यह अनुपात दीर्घकालिक औसत से अधिक होता है, तो यह संकेत देता है कि ऋण का स्तर अस्वस्थ रूप से ऊँचा हो सकता है।





- **अन्य पूरक संकेतक (Supplementary Indicators):**
- ऋण वृद्धि दर
- हाउस प्राइस इंडेक्स (House Price Index)
- ऋण के प्रकार (उपभोग, आवास, कॉर्पोरेट आदि)
- बैंकों की जोखिम-समायोजित पूंजी





- **अन्य संबंधित अवधारणाएँ:**
- कैपिटल कंजर्वेशन बफर (Capital Conservation Buffer):
- यह बफर भी बेसल III के तहत है और सामान्य स्थितियों में बैंकों को जोखिम से बचाने के लिए लगाया जाता है।
- **प्रूडेंशियल रेगुलेशन:**
- बैंकिंग क्षेत्र को स्थिर रखने हेतु लागू किये जाने वाले विभिन्न पूंजी और जोखिम नियंत्रण उपायों का समुच्चय।



METATRADER 5 ON BSE

TATA
42

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE)

प्रश्न 1: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) एशिया का पहला स्टॉक एक्सचेंज है।
2. BSE का प्रमुख सूचकांक SENSEX, बीएसई की शीर्ष 50 कंपनियों को दर्शाता है।
3. BSE वर्ष 2017 में खुद लिस्टेड होने वाला भारत का पहला स्टॉक एक्सचेंज बना।

सही कथनों का चयन कीजिए:

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 3
- (D) 1, 2 और 3





- हाल की चर्चा में क्यों?
- वर्ष 2025 में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) अपनी स्थापना की 150वीं वर्षगांठ (Sesquicentennial Anniversary) मना रहा है।



बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE)



Daily Current News



BSE (Bombay Stock Exchange)

बिंदु	विवरण
स्थापना	1875 – एशिया का सबसे पुराना स्टॉक एक्सचेंज
मुख्यालय	मुंबई, महाराष्ट्र
प्रमुख सूचकांक	SENSEX – शीर्ष 30 कंपनियों पर आधारित
नियामक संस्था	SEBI (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड)
स्वयं लिस्टेड	वर्ष 2017 में BSE ने खुद को लिस्ट किया
तकनीकी गति	6 माइक्रोसेकंड – इसे दुनिया का सबसे तेज़ स्टॉक एक्सचेंज बनाता है





- **BSE की स्थापना व इतिहास:**
- स्थापना वर्ष: 1875
- मूल नाम: The Native Share and Stock Brokers' Association
- यह एशिया का पहला स्टॉक एक्सचेंज था, जिसकी शुरुआत एक संगठित रूप में हुई थी।
- इसका आरंभ मुम्बई के टाउनहॉल के पास बरगद के पेड़ के नीचे 22 स्टॉक ब्रोकरों द्वारा अनौपचारिक बैठकों से हुआ था।



बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE)



Daily Current News

- मुख्य विशेषताएँ:
- 1. तकनीकी दक्षता:
- BSE को दुनिया का सबसे तेज़ स्टॉक एक्सचेंज माना जाता है — इसमें लेन-देन की गति 6 माइक्रोसेकंड (6 millionths of a second) है।
- 2. लिस्टिंग में अग्रणी:
- वर्ष 2017 में BSE, खुद एक लिस्टेड कंपनी बन गया — ऐसा करने वाला यह भारत का पहला स्टॉक एक्सचेंज है।



बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE)



Daily Current News

- 3. सेवाएँ:
- BSE निम्नलिखित वित्तीय उपकरणों के लिए ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म प्रदान करता है:
- इक्विटी (Equity)
- डेरिवेटिव्स (Derivatives)
- करेंसी (Currency)
- डेट इंस्ट्रुमेंट्स (Debt Instruments)
- म्यूचुअल फंड्स





- **4. सूचकांक (Index):**
- BSE का प्रमुख इक्विटी सूचकांक है: SENSEX (Sensitive Index)
- यह BSE की शीर्ष 30 कंपनियों के प्रदर्शन को दर्शाता है।





- **नियामक संस्था:**
- BSE का संचालन और निगरानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) द्वारा किया जाता है।
- SEBI एक वैधानिक निकाय है जिसे SEBI अधिनियम, 1992 के अंतर्गत स्थापित किया गया था।
- SEBI का उद्देश्य निवेशकों के हितों की रक्षा करना और प्रतिभूति बाजार को नियमित करना है।



बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE)



Daily Current News

- **BSE की अन्य पहलें:**
- **1. BSE SME Platform:**
- यह छोटे और मध्यम उद्यमों (SMEs) को पूंजी बाजार से वित्त जुटाने में सहायता करता है।
- **2. BSE StAR MF:**
- यह भारत का सबसे बड़ा म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्म है।
- **3. BSE Institute Ltd:**
- यह BSE का शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने वाला अंग है, जो पूंजी बाजार, बैंकिंग, फिनटेक आदि में पाठ्यक्रम चलाता है।



प्रश्न 1: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) एशिया का पहला स्टॉक एक्सचेंज है।
2. BSE का प्रमुख सूचकांक SENSEX, बीएसई की शीर्ष 50 कंपनियों को दर्शाता है।
3. BSE वर्ष 2017 में खुद लिस्टेड होने वाला भारत का पहला स्टॉक एक्सचेंज बना।

सही कथनों का चयन कीजिए:

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 3
- (D) 1, 2 और 3



बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE)



Daily Current News



उत्तर:

(C) केवल 1 और 3

व्याख्या:

कथन 1 सही है BSE एशिया का पहला संगठित स्टॉक एक्सचेंज है।

कथन 2 गलत है SENSEX BSE की शीर्ष 30 कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है, न कि 50।

कथन 3 सही है - BSE 2017 में खुद लिस्टेड होने वाला भारत का पहला एक्सचेंज बना।





Thank
you